विश्व में प्रसिद्ध हनुमान चालीसा... पृष्ठ 2 ईडी ने की दुर्ग क्षेत्र के बालोद... पृष्ठ 3


# नांदगांव टाइम्स

शनिवार, 05 अप्रैल 2025, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 49, अंक 167, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपए





नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्सन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।

।। जय श्री जलाराम।।

श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर

उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।

ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।

मो: 98274-61508, 83192-88559


# कुदरगढ़ महोत्सव आस्था, भक्ति और परंपरा का अनूठा संगम : मुख्यमंत्री साय

## कुदरगढ़ महोत्सव आस्था, भक्ति और परंपरा का अनूठा संगम, कुदरगढ़ मंदिर धाम ज्प्रसाद योजना में शामिल : विकास के लिए केन्द्र सरकार से मिलेगी मदद

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कुदरगढ़ महोत्सव आस्था, भक्ति और परंपरा का अनूठा संगम है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार के प्रस्ताव पर इस अंचल के आस्था के प्रमुख केन्द्र कुदरगढ़ मंदिर धाम को केन्द्र सरकार की ज्प्रसाद योजनाच् में शामिल किया है। इससे यहां के विकास के लिए केन्द्र सरकार से मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सूरजपुर जिले के कुदरगढ़ धाम में चैत्र नवरात्र के अवसर पर आयोजित कुदरगढ़ महोत्सव का समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कुदरगढ़ धाम में बनने वाले रोपवे का भूमिपूजन किया। यह रोपवे दो वर्ष में बनकर तैयार होगा। इस अवसर पर उन्होंने कुदरगढ़ धाम के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने प्रशासनिक भवन एवं सर्व सुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50-50 लाख तथा गढ़वातियां माता मंदिर में सीढ़ी निर्माण और पेयजल व्यवस्था हेतु 50 लाख सहित कुल 1 करोड़ 50 लाख रुपये के निर्माण कार्यों की घोषणा की। इस दौरान रोपवे निर्माण के लिए अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने धाम में चिकित्सालय निर्माण की भी घोषणा की, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए माता कुदरगढ़ी से प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की और श्रद्धालुओं को चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस अवसर पर 105 करोड़ रूपए से अधिक लागत के 43 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भटगांव विधानसभा क्षेत्र के लिए सुशासन रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य सरकार के प्रस्ताव पर छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर के विकास के लिए भारत सरकार ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत 148 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी है। प्रदेश की पांच शक्तिपीठों सूरजपुर के कुदरगढ़, चंद्रपुर की चंद्रहासिनी, रतनपुर की मॉ महामाया, डोंगरगढ़ की मॉ बम्लेश्वरी और दंतेवाड़ा की मॉ दंतेश्वरी शक्तिपीठ के विकास के लिए चार धाम की तर्ज पर योजना बनाई गई है। राज्य



सरकार द्वारा तीर्थ दर्शन योजना पुन: प्रारंभ की गई है। इस योजना में 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ विधवा, परित्यक्ता और दिव्यांगजनों को तीर्थ यात्रा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिकों से इस योजना का भरपूर लाभ उठाने की अपील की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के तहत 22 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में कुंभ के दौरान छत्तीसगढ़ का मंडप बनाया गया था, जहां छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को ठहरने और भोजन के नि:शुल्क व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य को नक्सलमुक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास योजनाओं के साथ-साथ समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। अंदरूनी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। लोगों को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। बस्तर क्षेत्र में नियद नेल्लानार योजना के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ ग्रामीणों को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। यहां बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े और सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश की समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की। साथ ही रोपवे निर्माण के लिए बधाई देते हुए इसे ऐतिहासिक पहल बताया। समापन समारोह में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान भक्ति संगीत ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में माता कुदरगढ़ को समर्पित भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर विभिन्न विभागों की योजनाओं पर लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, श्रीमती शकुंतला पोर्ते, श्रीमती रजनी शंकर त्रिपाठी, वन विकास निगम एवं कुदरगढ़ धाम ट्रस्ट अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

# देश का सबसे बड़ा पोल्ट्री कॉन्क्लेव राजधानी में 08 अप्रैल से !

**राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)।** आईबी ग्रुप राजनांदगांव द्वारा 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने के लिए 'विकसित पोल्ट्री, विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य के साथ आगामी 8 अप्रैल से देश के सबसे बड़े दो दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन रायपुर के होटल ओमाया में किया गया है, जिसमें देश के करीब 6000 पोल्ट्री फार्मर्स और ट्रेडर्स शामिल होंगे। आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी राज्य को विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में स्थापित करने की दिशा में पहल कर रहे है। इस विचार को मूर्त रूप देने की दृष्टि से अब आईबी ग्रुप द्वारा 2035 तक छत्तीसगढ़ को देश का प्रोटीन हब के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया गया है। इसी उद्देश्य से देश के सबसे बड़े पोल्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 8 व 9 अप्रैल को रायपुर के होटल ओमाया में यह आयोजन सम्पन्न होगा ।

इस कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ के आलावा मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित पुरे 28 राज्यों से फार्मर्स और ट्रेडर्स शामिल होंगे । कॉन्क्लेव के पहले दिन देशभर से पोल्ट्री ट्रेडर्स इस आयोजन में उपस्थित होंगे जिसमे सुबह 9 बजे से 2 बजे तक तकनीकी एवं व्यवसाय विस्तार के बारे मार्गदर्शन दिया जायेगा वहीं अगले दिन 9 अप्रैल को देश के पोल्ट्री किसान आयोजन में शामिल होंगे जिसमे उन्हें भी नयी तकनीक से जोड़कर आधुनिक पोल्ट्री के बारे में जानकारी दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि आईबी ग्रुप द्वारा आयोजित किया जा रहा पोल्ट्री कॉन्क्लेव छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

# जो अपने मन को जीत लेता है , वही बलवान होता है : शास्त्री ईश्वरचंद जी व्यास

### हम सब माया के अधीन होकर घूमते रहते हैं

-----------------------------

### गायत्री शक्तिपीठ में श्रीमद् देवी भागवत कथा

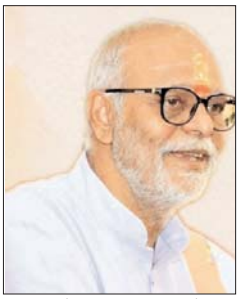

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** गायत्री शक्तिपीठ में माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा के छठवें दिन शास्त्री श्री ईश्वर चंद जी व्यास ने कहा कि जो अपने मन को जीत लेता है, वही बलवान होता है। सभी व्यक्ति काम, क्रोध, मध, लोभ से घिरे हुए हैं और इसको जीतने के लिए हमें अपने मन को जितना होगा। उन्होंने कहा कि जो चीज अनायास मिलती है वह अनायास ही चले जाती है। जीवन हमें अनायास मिला है और यह अनायास ही चला जाएगा। धन हमें अनायास मिलता है और यह अनायास ही चला जाता है, इसलिए अनायास मिली चीज का सदुपयोग करना चाहिए। शास्त्री जी ने आज व्यास पीठ से कहा कि धन की तीन



अवस्था होती है पहला दान , दूसरा भोग और तीसरा नाश। उन्होंने कहा कि यदि धन मिला है तो दान करना भी सीखें अन्यथा उसका भोग करना होगा, नहीं तो धन का नाश हो जाएगा और वह किसी उपयोग में नहीं आएगा। काम, क्रोध, मध , लोभ यह सब मिटते नहीं है। दरअसल हम सब माया के अधीन है और माया के अधीन रहकर ही हम जीवन जीते हैं।काम, क्रोध, मध , लोभ को मिटाने के लिए हमें निरंतर साधनारत रहना होगा, हमें सात्विक प्रवृत्ति में लगे रहना होगा। शास्त्री जी ने कहा कि देवों में कोई भेद नहीं होता।

हम एक देव की साधना कर रहे हैं तो करते रहें किंतु दूसरे देव का विरोध ना करें अन्यथा दोनों ही देव नाराज हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि जीव को यदि ज्ञान मिल जाता है तो उसका भ्रमण मिट जाता है और वह मोक्ष को प्राप्त कर लेता है। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष पवन डागा ने बताया कि कथा के सप्तम दिवस शनिवार 5 अप्रैल को अपराह्न 3:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक शास्त्री श्री ईश्वर चंद जी व्यास द्वारा पांच प्रकृति की कथा सुनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अष्टम दिवस 6 अप्रैल को कथा सुबह होगी तथा पूर्वान्ह 11:00 बजे पूर्णाहूति एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया है तथा सात अप्रैल सोमवार को अपराह्न 3:00 बजे गायत्री शक्तिपीठ से विसर्जन यात्रा निकलेगी।

# वास्तविक गुरु/महापुरुष की पहिचान - सुश्री धामेश्वरी देवी

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** जगद्गुरु श्री कृपालुजी महाराज की प्रमुख प्रचारिका सुश्री धामेश्वरी देवीजी द्वारा स्टेट हाई स्कूल मैदान राजनांदगांव, में चल रही 15 दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन श्रृंखला के ग्यारहवें दिन बताया कि किसी महापुरुष को पहिचानने में एक बात का प्रमुख दृष्टिकोण रखना चाहिए कि किसी से सुनकर किसी को महापुरुष न माने अपितु स्वयं देखभाल कर एवं समझकर उसे स्वीकार करना चाहिए, अपितु एवं समझकर उसे स्वीकार करना चाहिए।

**महापुरुष के पहिचानने में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए**

किसी महापुरुष को पहिचानने में उसकी बहिरंग वेशभूषा को न देखना चाहिये। कोट पतलून में भी महापुरुष हो सकते हैं एवं रंगीन वस्त्रों में भी कालनेमि मिल सकते हैं। पुन: हमारे इतिहास से भी स्पष्ट है कि 90 प्रतिशत महापुरुष गृहस्थों में हुए हैं जिनके कपड़े रँगे नहीं थे। एक बात का और दृष्टिकोण रखना चाहिये कि महापुरुष संसारी वस्तु नहीं दिया करता, यह गम्भीरतया विचारणीय है। महापुरुष क्या, भगवान् भी कर्म विधान के विपरीत किसी को संसार नहीं देते। उनके भी नियम हैं। महापुरुष सिद्धियों का चमत्कार नहीं दिखाया करता। चमत्कार को नमस्कार करना ठीक नहीं, अपितु चमत्कारियों को दूर से नमस्कार करना ठीक है, अन्यथा अपना लक्ष्य खो बैठोगे। महापुरुष मिथ्या आशीर्वाद नहीं देता एवं शाप भी नहीं देता। हाँ, इतना अवश्य है कि मंगलकामना सम्पूर्ण विश्व के लिये रहती है क्योंकि वह पूर्ण-काम हो चुका है। महापुरुषों को पहिचानने का प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि महापुरुष के दर्शन, सत्संगादि से ईश्वर में स्वाभाविक रूप से मन लगने लगता है। किन्तु, वह मन लगना सबका पृथक् पृथक् दर्जे का होता है। इसी प्रकार साधक का मन जितना निर्मल होगा, उतनी ही मात्रा में खिंच जायगा। दूसरा प्रत्यक्ष लाभ यह होता है कि साधक की जो साधना-पथ की -- क्रियात्मक गुत्थियाँ अर्थात् संशयों को समाप्त करके सही साधना पथ पर चलाने का कार्य श्रोत्रिय-ब्रह्मनिष्ठ महापुरुष ही कर सकता है। प्रवचन का अंत श्री राधा कृष्ण भगवान की आरती के साथ हुआ। 15 दिवसीय दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन श्रृंखला का आयोजन दिनांक 8 अप्रैल 2025 तक प्रतिदिन शाम 7 से रात 9 बजे तक होगा।

# श्रीराम जन्मोत्सव पर होगा भव्य आयोजन

**विशाल भंडारे का भी होगा आयोजन।**

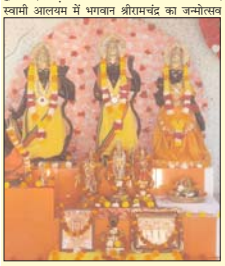

**डोंगरगढ़ ( नांदगांव टाइम्स )।** स्थानीय आंध्र समाज द्वारा केदारबाड़ी वार्ड नंबर 3 में स्थित श्री सीता रामचंद्र स्वामी आलयम में भगवान श्रीरामचंद्र का जन्मोत्सव



धूमधाम से मनाया जाएगा। राम दरबार मंदिर में नवमी तिथि के पावन अवसर पर रविवार 6 अप्रैल को विशेष कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया है। समाज के गोविंद पी सूर्या राव सुनील बंदारम जी संतोष राव एम नागेश के नागेंद्र राव बी शंकर राव के कृष्णा राव ने बताया कि इस अवसर पर प्रात: 8 बजे भगवान श्री रामचंद्र जानकी जी लक्ष्मण जी व हनुमान जी की अभिषेक पूजा होगी और इसी के साथ दिन का शुभारंभ होगा। अभिषेक पूजन में भगवान श्रीराम के भक्त शामिल हो सकेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे तक चलेगा। तत्पश्चात आंध्र समाज भवन में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने की अपील की है। राम भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जहां भक्ती सेवा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। श्रीराम मंदिर केदारबाड़ी आंध्र भवन समिति ने सभी रामभक्तों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित की अपील की है।

# भक्तों के बिना भगवान है अधूरे इसलिए ही तो भगवान की कथा में भक्तो की कथा होती है

**राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)।** संस्कारधानी में चल रही श्रीमद् देवी भागवत में पंडित अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भगवान की कथा बिना भक्तों के अधूरी है। उन्होंने कहा कि भगवान की कथा में सबसे पहले भक्तों की ही कथा आती है, क्योंकि बिना भक्त के भगवान अधूरे हैं



**भक्तों की महत्ता-** शास्त्री जी ने कहा कि भक्तों की महत्ता बहुत ही अधिक है। उन्होंने कहा कि भक्तों के बिना भगवान की कथा अधूरी है, क्योंकि भक्त ही भगवान को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि भक्तों का ध्यान रखना बहुत ही जरूरी है, क्योंकि वे भगवान की कथा को सुनने और समझने के लिए आते हैं।

**भक्ति से मुक्ति तक का मार्ग-** महराज जी ने कहा कि भक्ति से मुक्ति तक का मार्ग बहुत ही सरल है, लेकिन हमें इसके लिए प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि भक्ति के माध्यम से हम भगवान को प्राप्त कर सकते हैं और मुक्ति प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भक्ति के लिए हमें अपने मन को शुद्ध करना होगा और भगवान की कथा को सुनना होगा।

**गुरु की भूमिका-** अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने कहा कि गुरु की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गुरु हमें भगवान की कथा को समझने में मदद करते हैं और हमें भक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु के बिना हम भगवान को प्राप्त नहीं कर सकते हैं, इसलिए हमें गुरु का सम्मान करना होगा और उनकी शिक्षाओं का पालन करना होगा महराज श्री का संदेश बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भगवान की कथा बिना भक्तों के अधूरी है और भक्ति से मुक्ति तक का मार्ग बहुत ही सरल है। उन्होंने कहा कि गुरु की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है और हमें गुरु का सम्मान करना होगा और उनकी शिक्षाओं का पालन करना होगा।

# बागेश्वर धाम मे महाआरती पश्चात नारी शक्तियों की अनोखी भक्तिमय भजन संध्या

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** समाज सेवी धर्म सेवी नारिशक्तियों ने श्री बागेश्वर धाम मंदिर उत्सव भवन मे,संयुक्त पदयात्री सेवा पंडाल मे स्थापित माता दुर्गा जगदम्बा के दरबार मे महाआरती पश्चात् हुई भजन संध्या मे भजनों की सराहनीय प्रस्तुति दी बागेश्वर धाम सेविका श्रीमती प्रज्ञा गुप्ता द्वारा संचालन किया गया जिसमे मे प्रमुख रूप से श्रीमती शारदा तिवारी, साधना तिवारी, माया अग्रवाल, मधु खंडेलवाल, कांति मौर्य, छाया तिवारी ममता अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, गोमती गुप्ता,सहित पुरुष वर्ग से गायत्री परिवार से हरिश गाँधी, मनोज आग्रहरि द्वारा प्रस्तुति दी व अपने विचार रखे गए।

## जोंधरा में 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ 9 से

**डोंगरगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** मनुष्य में देवत्व के उदय, धरती पर स्वर्ग के अवतरण तथा युग निर्माण योजना के तहत् विश्व कल्याण हेतु अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान् में समीपस्थ ग्राम जोंधरा में 9 अप्रैल पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया गया है। पांच दिवसीय उक्त कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के संस्कार आदि भी नि:शुल्क संपन्न किये जायेगें।



श्रीराम प्रज्ञा मंडल, गायत्री परिवार के तत्वावधान् में ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित महायज्ञ का शुभारंभ 9 अप्रैल को दोपहर 12 बजे भव्य मंगल कलश यात्रा से होगा। पश्चात् अपरान्ह 4 से 6 बजे तक देव स्थापना एवं पूजन होगा। दूसरे, तीसरे और चौथे दिन सुबह 8 बजे से पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, 10 बजे से 1.30 तक तथा दोप. 3 से 5 बजेतक प्रज्ञा पुराण कथा, सायं विभिन्न विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान, दीपयज्ञ का कार्यक्रम होगा। अंतिम दिन 13 अप्रैल को सुबह गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार, महापूर्णाहूति, देव बिदाई, वरिष्ठों का सम्मान तथा टोली बिदाई होगी। समस्त कार्यक्रमों में अंचल के परिजनों व श्रद्धालुजनों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने की है।

## आर आर देशलहरे पूर्व प्रभारी प्राचार्य को बिदाई दी गई

**डोंगरगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** 31 मार्च को शासकीय बी टी आई डोंगरगांव में विभिन्न जिम्मेदारियों का सफ्लतापूर्वक निर्वहन करते हुए



42 वर्ष 3 माह व 19 दिन की सेवा पूर्ण कर 31 मार्च को सेवानिवृत्त हुए. बीटीआई संस्था द्वारा उनके सम्मान में 2.अप्रैल को विदाई और सम्मान समारोह का आयोजन कर समृद्ध ,दीर्घायु , स्वस्थ्य एवं यशस्वी भविष्य की कामना की गई पूर्व प्राचार्य आर आर देशलहरे अपने जीवनवृत्त और संस्था के साथ अटूट संबंध देते हुए भावुक हो गए संकाय सदस्यों द्वारा उनके कर्त्तव्यनिष्ठ और अनुशासित व्यक्तित्व को बताते हुए उनके द्वारा प्राचार्य काल की उपलब्धि को सराहा गया ,साथ ही छात्राध्यापकों को जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया पूरे कार्यक्रम बीटीआई प्राचार्य मुकुल साव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ बिदाई समारोह में संकाय सदस्य एन आर लेंझारे पोषण साहू देवेश कुमार जैन कविता दूबे लीलाधर देवागंन के साथ प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## 40 पाव महाराष्ट्र निर्मित देशी शराब संतरा जप्त

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब विक्रेताओं एवं कोचियों, सार्वजनिक स्थलों पर मद्यपान करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री यदुनंदन राठौर ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ छापा मार कार्रवाई करते हुए थाना छुरिया अंतर्गत ग्राम भोलापुर में सचिन कुमार साहू के रिहायशी मकान की तलाशी लेने पर 40 पाव (कुल 7.200 बल्क लीटर) महाराष्ट्र निर्मित देशी शराब संतरा जप्त किया गया। आरोपी को आबकारी अधिनियम के तहत दण्डनीय अजमांनतीय अपराध में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया गया है। इसी तरह अवैध मदिरा विक्रय की रोकथाम हेतु होटल-ढाबों एवं मदिरा दुकानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। सहायक आयुक्त आबकारी द्वारा सभी वृत्त प्रभारियों को होटल-ढाबों की नियमित जांच और अवैध मदिरा विक्रय के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक वृत्त चिचोला श्री राजकुमार कुर्रे, हमराह स्टाफ आबकारी मुख्य आरक्षक श्री निजाम शाह, श्री मनीष रजक, श्री अनिल सिन्हा शामिल थे।



**शुभांक**

**1-8-9**

**169-6 138-2**

**भाग्यांक**

**258-5 337-3**

# अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ ने नवोदय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों का किया सम्मान

**डोंगरगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** संस्कारधानी राजनांदगांव जिले के साहू सदन में अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला साहू संघ राजनांदगांव के द्वारा इस वर्ष नवोदय विद्यालय में चयनित बीस विद्यार्थियों का भव्य समारोहआयोजन कर सम्मान किया गया। जिला साहू संघ अध्यक्ष भागवत साहू के मुख्य आतिथ्य व जिला महामंत्री नीलमणि साहू की अध्यक्षता एवं नगर अध्यक्ष कुलेश्वर दास साहू,तहसीलदार प्रीतम साहू, रेल्वे सुरक्षा बल थाना प्रभारी तरूणा साहू, डॉ .चेतन साहू, आईसेक्ट कंप्यूटर देवरी के संचालक भरत देवांगन , जिला महिला सह सचिव खिलेश्वरी साहू आदि के विशेष आतिथ्य में अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ जिला साहू संघ राजनांदगांव व तहसील साहू संघ डोंगरगांव के संयुक्त तत्वावधान में नि: शुल्क कोचिंग क्लास एवं नवोदय विद्यालय प्रवेश मेगा मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया ,जिसमें चयनित बच्चे कोमेश देवांगन, हर्ष कुमार साहू, अर्पित कुमार, शिवांश भूआर्य, अदिति पटेल, सुप्रिया नेताम, श्रेयांश बोरकर, पूर्वी चंद्राकर, डेवीश साहू, हर्ष मंडले, रोली साखरे,कुंजन चंद्रवंशी सहित बीस बच्चों को प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला सलाहकार परदेशी राम साहू ने किया। प्रदेश सह संयोजक व जिला संयोजक यशवंत साहू जो अखिल भारतीय तैलिक महासभा हैदराबाद में राजनांदगांव जिले का प्रतिनिधित्व किया । हैदराबाद में राजनांदगांव जिले में चल रहे गतिविधियों की जमकर



तारीफकी गई। साहू समाज को नई बुलंदियों तक पहुंचाने वाले यशवंत साहू के कुशल मार्गदर्शन में अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के द्वारा नि:शुल्क कोचिंग क्लास, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण ,रक्त दान शिविर, शिक्षा एवम् विभिन्न खेल गतिविधियों में कराटे, फिजिकल प्रशिक्षण , वृक्षारोपण, नवोदय/सैनिक स्कूल मॉक टेस्ट, महिला सुपरवाइजर, महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक परीक्षा, कृषि संगोष्ठी, भव्य रोजगार मेला के आयोजन के साथट्ठ साथ आज नवोदय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।जिला साहू संघ राजनांदगांव के अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि प्रकोष्ठ द्वारा डी .एस. पी. हेमा साहू, टी .आई .एमन साहू, रेल्वे सुरक्षा बल थाना प्रभारी तरूणा साहू ,सहायक संचालक हथकरघा विभाग अमित साहू, नर्सिंग अधिकारी अनामिका साहू सहित अनेक हस्तियों को सम्मानित किया है ,जो एक सराहनीय कार्य है। कार्यक्रम में लगभग दो सौ बच्चों को नवोदय परीक्षा में चयन कराने वाले शिक्षक दीनदयाल साहू, सहयोगी शिक्षक पुरुषोत्तम साहू, अंतरराष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक पुरुस्कार से सम्मानित डॉ . घमेंद्र साहू व 42 किलोमीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली किरण साहू का प्रकोष्ठ के द्वारा प्रमाण पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में प्रदेश सह संयोजक व जिला संयोजक यशवंत साहू, सचिव मिलन साहू, जिला संगठन सचिव माधव साहू,दुर्ग संभागीय संयोजक रूपेश साहू, सचिव अनिल साहू, प्रदेश सह संयोजक परदेशी राम साहू,जिला सह संयोजक छन्नूलाल साहू,जिला सलाहकार चंद्रभूषण साहू, मोरेश्वर साहू, रामचंद्र साहू, खेमलाल साहू,पवन साहू, किशोरी साहू, तिजेन्द्र साहू, राजेश साहू,भोज गंजीर, लविंद्र साव, लीना साहू, दुर्गा हिरवानी, ह्रदय हिरवानी ओमप्रकाश साहू, पी.एल.साहू, भीष्म सर आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

## छत्तीसगढ़ सीनियर पुरूष हॉकी टीम की विजयी शुरूआत

# अर्जुन यादव रहे मैन ऑफ द मैच



**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** झांसी (उत्तर प्रदेश) में आज से 15वी हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता प्रारंभ हुई । इसमें राज्य की हॉकी टीम भी भाग ले रही है उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने राज्य की टीम कल 3 अप्रेल को झांसी पहुँच चुकी है। प्रतियोगिता में भाग लेने के पूर्व टीम का प्रशिक्षण शिविर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव में आयोजित किया गया। जिसमें 28 हॉकी खिलाड़ियों ने भाग लिया था। प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट खेल के प्रदर्शन के आधार पर अंतिम 18 खिलाड़ियों का चयन किया गया जिसमे रोहित रजक,अभिजीत श्रीवास, मानव मेडडपा, चंद्रशेखर यादव, विष्णु यादव, अजय तांडी, आरोन सरोज, बोपन्ना, समीर अली, गुलशन कुमार, खुशाल यादव, अर्जुन यादव, कार्तिक यादव, आदित्य नेताम,आदित्य मेश्राम, सोनू निषाद, गणेश यादव,शैलेन्द्र वर्मा, अन्तराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे (मैनेजर), शकील अहमद (कोच) तथा दीपेश चौबे सहायक कोच के रूप में शामिल है। प्रतियोगिता के तहत आज सुबह 10.30 बजे छत्तीसगढ़ हॉकी टीम का पहला मैच हॉकी गुजरात से हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ हॉकी टीम ने गुजरात को 10-0 से पराजित कर प्रतियोगिता में विजय शुरुआत की। गुजरात टीम के विरुद्ध खेले गए आज के मैच में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए मैच में सोनू निषाद ने 2 गोल अर्जुन यादव ने 2 गोल बोप्पन्न ने 2 गो शैलेन्द्र वर्मा ने 2 गोल व कार्तिक यादव तथा गणेश यादव ने 1-1 गोल किये। टीम में उत्कृष्ट खेल के प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार छत्तीसगढ़ हॉकी के जर्सी क्रमांक 05 अर्जुन यादव को प्रदान किया गया। टीम की इस विजयी सुरुवात पर छत्तीसगढ़ हॉकी के सभी सदस्यों ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

# मोना सेन को केश शिल्पी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष के बजाय छत्तीसगढ़ी फिल्म बोर्ड में अध्यक्ष बनाया जाये

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** सर्व सेन समाज पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश सह-संगठन मंत्री सर्व सेन समाज छत्तीसगढ़ निर्भय राम श्रीवास ने छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय तथा भाजपा संगठन में नेतृत्व करने वाले नेताओं से कहा है कि हमारे समाज की बेटी सुश्री मोना सेन जी को केश शिल्पी कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़ अध्यक्ष के बजाय छत्तीसगढ़ी फिल्म बोर्ड में अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए क्योंकि मोना सेन जी का कर्म कार्य मूल रूप से फिल्मी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं जबकि केश शिल्पी कल्याण बोर्ड नाई सेन समाज के लोग जो सर्व मानव जाति के पुरूषों के दाढ़ी-बाल कटिंग सेवा कार्य करते हैं महिला ओ की नहीं इसलिए केश शिल्पी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष समाज के पुरुष को अवसर दिया जाये ताकि उस कार्य को करने में आने वाले समस्या का निदान कराने शासन प्रशासन और समाज के बीच समन्वय बना रहे श्री श्रीवास ने आगे कहा है कि जिस प्रकार से पिछले सरकार में हमारे समाज के कार्य प्रकृति को देखते हुए केश शिल्पी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद पुरूषों को दिया गया साथ ही अलग अलग संभाग से सात सदस्य भी बनाया गया ठीक उसी प्रकार वर्तमान में भी अध्यक्ष उपाध्यक्ष पुरुष को तथा सात सदस्य में से दो महिलाओं को सदस्य मनोनीत किया जाना चाहिए ताकि सभी को सम्मान मिले तथा हमारे समाज के विकास में शासन प्रशासन में विशेष योगदान मिले ताकि गांव शहर जंगल पहाड़ क्षेत्रों में निवास करने वाले हमारे समाजिक जनो का सर्वांगीण विकास हो सके।

# चंद्रगिरी में प्रथम आचार्य पदारोहण दिवस मनाया जायेगा



**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** 108 आचार्य श्री समयसागर महाराज जी का प्रथम आचार्य पदारोहण दिवस 5 अप्रैल 2025 को श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी अतिशय महातीर्थ क्षेत्र में 105 आर्यिका श्री आदर्शमति माता जी ससंघ एवं 105 आर्यिका श्री अपूर्वमति माता जी ससंघ के सानिध्य में मनाया जायेगा। प्रात: 7 बजे भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं शांति विधान होगा। प्रात: 9 बजे से संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी कि नित्य पूजा समाधी स्थली में होगी। दोपहर 2 बजे से विद्या गुरु समय गुरु कि विशेष संगीतमय पूजा होगी तत्पश्चात दोपहर 3 बजे से वन्दनीय आर्यिका संघ के मंगल प्रवचन एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी ट्रस्ट समिति ने उक्त कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने सभी साधर्मियों से अपील कि है एवं सभी साधर्मियों के भोजन कि भी व्यवस्था क्षेत्र पर कि गयी है । उक्त जानकारी श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष सेठ सिंघई श्री किशोर जैन के द्वारा दी गयी है।

**न्यायालय नजूल अधिकारी राजनांदगांव (छ.ग.)**

ईश्तहार

रा.मा.क्र. 202504093800003 120 (1) वर्ष 2024-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रकाश कुंवर घ.प. स्व. श्री गौतम चंद सुराना निवासी चौखड़ियापारा, इंदिरा नगर तह. व जिला राजनांदगांव द्वारा मोहल्ला चौखड़ियापारा स्थित खसरा नंबर 1414/17- क्षेत्रफल 1319 वर्गफुट, खसरा कर्माक 2971/2 क्षेत्रफल 269 वर्गफुट कुल क्षेत्रफल 1588 वर्गफुट भूमि शीट कमांक में नहीं होने से शीट आवंटन कर निर्धारण पट्टा दिये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त आवेदित भूखण्ड का शीट कमांक आर्बटित कर आवेदिका के नाम पर निर्धारण पट्टा जारी किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से अपना दावा आपत्ति इस ईश्तहार के जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर लिखित रूप में पेश कर सकते हैं। समयावधि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 02/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

**पेशी दिनांक- 21/04/2025**

सील — नजूल अधिकारी राजनांदगांव

**न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिकदंण्डाधिकारी खैरागढ़ जिला राजनांदगांव (छ.ग.)**

-: ईश्तहार:-

रा.मा.क्र... बी- 121 वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक परदेशी साहू आ.स्व. कन्हैया निवासी शहर/ग्राम आल्हा नवागांव प.ह.नं. तहसील खैरागढ़ जिला राजनांदगांव द्वारा तहसील द्वारा अपने पिता स्व. कन्हैयालाल पिता तांतूदास मृत्यु प्रमाण पत्र की माँग की गई है। उपरोक्त आवेदन पत्र इस न्यायालय में मृत्यु दिनांक 12/12/1983 को स्थान आल्हा नवागांव पर होना बताया जाकर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति हो तो, वे सुनवाई तिथि 15.04.2025 लिखित में स्वयं/अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार दिनांक 01.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

**जारी दिनांक:- 1/04//25**

**सुनवाई दिनांक:- 15/04/25**

सील — कार्यपालिकदंण्डाधिकारी खैरागढ़

**न्यायालय तहसीलदार, राजनांदगाँव जिला-राजनांदगाँव //**

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पदमा झाबक ध.प. हेमचंद झाबक, निवासी-चौखड़ियापारा, राजनांदगाँव, तहसील व जिला-राजनांदगाँव के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम नंदई, प.ह.नं. 41, तहसील व जिला राजनांदगाँव स्थित भूमि खसरा नंबर 128, रकबा 0.03/हृए. भूमि के राजस्व अभिलेख ऑनलाईन अभिलेख मे आवेदक का नाम दर्ज कर अभिलेख दुरूस्त किये जाने का निवेदन किया गया है।

उक्तशय के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी तारीख 2574/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाशक के माध्यम से न्यायालयीन समय तक लिखित मे प्रस्तुत कर सकते है, बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

अतः यह ईश्तहार आज दिनॉक 3/4/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

**जारी दिनॉक :-3/4/2025**

**पेशी दिनॉक :-25/4/2025**

सील — तहसीलदार राजनांदगांव

**आम सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने

1. भूषण गेंडरे पिता प्रताप गेंडरे
2. अमरोतिन गेंडरे पिता प्रताप गेंडरे
3. पूर्णिमा गेंडरे पिता प्रताप गेंडरे
4. घनेसरी गेंडरी पिता प्रताप गेंडरे
5. भूनेश्वरी पिता प्रताप गेंडरे

निवासी- महरूम कला, तहसील-उपरवाह, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) में स्वामित्व की भूमि महरूम कला, तहसील-उपरवाह, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) में स्थित है। जिसका खसरा नं. 462/3, रकबा 30 डिसमिल है को खरीदने का सौदा कर 04.जुलाई 2024 को बयाना दे दिया है परंतु इतने समय बीतने के बाद भी विक्रेताओं ने अपने कागज संपूर्ण नहीं किया है एवं हीला हवाला कर रहे है। अत: मैं अपने पक्षकार की ओर से सूचित करता हूं कि विक्रेता जल्द से जल्द संपूर्ण कागजात को तैयार कर मुझे मेरे पते पर या मेरे फोन में सूचना देकर जल्द से जल्द रजिस्ट्री करवा लें।

**सूचना जानें**

**सुरेन्द्र ठाकुर**

**महेन्द्र नगर**

**राजनांदगांव (छ.ग.)**

**फोन नं. 9165433110**

**न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार राजनांदगांव**

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ:- जिला- राजनांदगाँव तहसील-राजनांदगांव प.ह.न.-00037 रेवाडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CT202425420538600038

ईश्तहार

तहसील राजनांदगांव के प.ह.न. 00037 के अंतर्गत ग्राम रेवाडीह के वर्तमान भूमिस्वामी अजय कुमार पिता/पति-शिवराम भारद्वाज पता-लखोली के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 366/20(0.0240) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता रेनूभारद्वाजपिता/पति-स्व अजय कुमार भारद्वाज पता-, नाबा अक्षयभारद्वाजपिता/पति-स्वअजयकुमार भारद्वाजपता के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04/04/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार राजनांदगांव 1 पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 31/03/2025 को जारी किया जाता है।

:

सील — अतिरिक्त तहसीलदार MANISH KUMAR VERMA राजनांदगांव

**न्यायालय नायब तहसीलदार राजनांदगांव**

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ: जिला- राजनांदगाँव तहसील-राजनांदगांव प.ह.न.-00055 रवेली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CT202425420513800008

ईश्तहार

तहसील राजनांदगांव के प.ह.न. 00055 के अंतर्गत ग्राम रवेली के वर्तमान भूमिस्वामी अजय कुमारभारद्वाज पिता/पति-शिवराम भारद्वाज पता-राजीवनगर लखोली के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 245/18 (0.0710) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता रेनू भारद्वाज पिता/पति-अजय कुमार भारद्वाजपता-, नाबा अक्षय भारद्वाज पिता/पति-स्व अजय कुमार भारद्वाज पता-के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04/04/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार राजनांदगांव पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/03/2025 को जारी किया जाता है।

सील — नायब तहसीलदार Devika राजस्व निरीक्षक मंडल-ठाकुरटोला

**न्यायालय तहसीलदार राजनांदगांव**

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ - जिला- राजनांदगाँव तहसील-राजनांदगांव प.ह.न.-00042 लखोली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-CT202425420536300063

ईश्तहार

तहसील राजनांदगांव के प.ह.न. 00042 के अंतर्गत ग्राम लखोली के वर्तमान भूमिस्वामी अजय कुमार भारद्वाज पिता/पति-पिता-शिवराम भारद्वाज पता-लखोली के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 378/41 (0.0120) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता नाबा अक्षय भारद्वाजपिता/पति-स्वअजय कुमार भारद्वाज पता-लखोली, रेनूभारद्वाज पिता/पति-स्व अजय कुमार भारद्वाज पता-लखोली के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 21/04/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार राजनांदगांव पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/04/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार: AMIY SHRIVASTAVA तहसील राजनांदगांव

**न्यायालय नजूल अधिकारी जिला खैरागढ छुईखदान - गण्डई //**

// उद्घोषणा //

राप्र.क्र.-202503291500004

शीर्ष- अ-6 वर्ष 2024-25

क्रमांक /1970/वा. नजूल / 2025

खैरागढ़, दिनांक 04/04/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक/क्रेता मूलचंद पिता सहसमल जैन निवासी गुढ़ीपार तहसील खैरागढ़ जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा नगर खैरागढ़ मोहल्ला ईतवारीबाजार ब्लाक नं. 08 स्थित भूखण्ड कमांक 421/2 रकबा 654 वर्गफूट को आवेदक द्वारा पंजीकृत विक्रयपत्र दिनांक 06.12.2024 के माध्यम से अनावेदक/विक्रेता ओमप्रकाश झा आ. बाबू झा से क्रय उपरांत उक्त वाद भूमि संबंधी रिकार्ड पर अपना नाम दर्ज किए जाने नामांतरण आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्तानुसार वाद भूमि संबंधी अभिलेख पर आवेदक सहित विधिक वारिसान का नाम पर नामांतरण किये जाने में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपना आपत्ति / आक्षेप ईश्तहार प्रकाशन तिथि के 15 दिनों के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04-04-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई

**न्यायालय नजूल अधिकारी जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ0ग0)**

क्रमांक 1928// वा. नजूल /2025

**// उद्घोषणा//**

रा.प्र.क्र.202504291502000З

शीर्ष- अ-6 वर्ष 2024-255

खैरागढ़, दिनांक 03/04/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/दानग्राहिता राजू रजक पिता सुकाल रजक निवासी ग्राम-धरमपुरा, तहसील-खैरागढ़, जिला-के0सी0जी0 द्वारा नगर खैरागढ़ मोहल्ला लालपुर, ब्लाक नं. 05. स्थित भूखण्ड कमांक 67/3 कुल क्षेत्रफल 870 वर्गफूट में से 290 वर्गफूट को आवेदक की माता खातेदार श्रीमती खेदाबाई पति सुकाल रजक द्वारा पंजीकृत दानपत्र दिनांक 31.01.2025 के माध्यम से आवेदक / दानग्राहिता को दान, किए जाने के उपरांत उक्त वाद भूमि संबंधी अभिलेख में दानकर्ता/खातेदार का नाम विलोपित कर अपना नाम दर्ज किए जाने हेतु नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्तानुसार उक्त वादभूमि आवेदक / दानग्राहित' नामांतरण किये जाने में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपना दावा/आपत्ति ईश्तहार प्रकाशन तिथि के 15 दिनों के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई

**न्यायालय नजूल अधिकारी जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ0ग0)**

//उद्घोषणा//

राप्रक्र-202504291500002

शीर्ष- अ-6 वर्ष 2024-25

क्रमांक 1927/ वा. नजूल / 2025

खैरागढ़, दिनांक 03/04/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/दानग्राहिता रवेन्द्र रजक पिता सुकाल रजक निवासी ग्राम-धरमपुरा, तहसील-खैरागढ़, जिला-के0सी0जी0 द्वारा नगर खैरागढ़ मोहल्ला लालपुर, ब्लाक नं. 05, स्थित भूखण्ड कमांक 67/3 कुल क्षेत्रफल 870 वर्गफूट में से 290 वर्गफूट को आवेदक की माता खातेदार श्रीमती खेदाबाई पति सुकाल रजक द्वारा पंजीकृत दानपत्र दिनांक 31.01.2025 के माध्यम से आवेदक/दानग्राहिता को दान किए जाने के उपरांत उक्त वाद भूमि संबंधी अभिलेख में दानकर्ता/खातेदार का नाम विलोपित कर अपना नाम दर्ज किए जाने हेतु नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्तानुसार उक्त वादभूमि आवेदक/दानग्राहिता के नाम पर नामांतरण किये जाने में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपना आपत्ति/आक्षेप ईश्तहार प्रकाशन तिथि के 15 दिनों के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03.04.25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई

**न्यायालय नजूल अधिकारी जिला खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई (छ0ग0)**

// उद्घोषणा//

रा.प्र.क.-202504291500001

शीर्ष- अ-6 वर्ष 2024-25

क्रमांक 1924/वा. नजूल / 2025

खैरागढ़, दिनांक 03/04/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/दानग्राहिता राजेश रजक पिता सुकाल रजक निवासी ग्राम-धरमपुरा, तहसील-खैरागढ़, जिला-के0सी0जी0 द्वारा नगर खैरागढ़ मोहल्ला लालपुर, ब्लाक नं. 05, स्थित भूखण्ड कमांक 67/3 कुल क्षेत्रफल 870 वर्गफूट में से 290 वर्गफूट को आवेदक की माता खातेदार श्रीमती खेदाबाई पति सुकाल रजक द्वारा पंजीकृत दानपत्र दिनांक 31.01.2025 के माध्यम से आवेदक / दानग्राहिता को दान किए जाने के उपरांत उक्त वाद भूमि संबंधी अभिलेख में दानकर्ता / खातेदार का नाम विलोपित कर अपना नाम दर्ज किए जाने हेतु नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्तानुसार उक्त वादभूमि आवेदक/दानग्राहिता के नाम पर नामांतरण किये जाने में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपना आपत्ति/आक्षेप ईश्तहार प्रकाशन तिथि के 15 दिनों के भीतर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी खैरागढ़-छुईखदान - गण्डई

## ज्ञान मंथन

*1) पक्षियों को बहुत ऊँचाई पर उड़ते समय साँस की परेशानी क्यों नहीं महसूस होती?*
*2) भारत के प्रथम दलित मुख्य न्यायाधीश कौन बने?*
*3) हाल ही में हेल्थ साथी योजना किसने लॉन्च की है?*
*4) इक्थियोलॉजी में किसका अध्ययन किया जाता है?*
*5) हाल ही में चर्चा में रही, राइजोटोप परियोजना किससे संबंधित हैं?*

**RamaQuiz (Pappu Ganesh )**



## उत्तर माला

(1) उनमें अतिरिक्त वायु-कोष होते हैं (2) के जी बालकृष्णन (3) पेटीएम (4) मत्स्य की संरचना और कार्यिकी इत्यादि का अध्ययन (5) गैंडा

## प्रांतीय पेंशनर्स अध्यक्ष चुनाव में यशवंत देवान को पूर्ण समर्थन

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** आगामी 13 अप्रैल 2025 रविवार को प्रांतीय पेशनर्स के अध्यक्ष पद हेतु चुनाव होना है। यह चुनाव नगर में प्यारेलाल हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक सम्पन्न होना है। इसमें 2 कक्ष नगर पेंशनर के लिए एवं 1 कक्ष ग्रामीण पेंशनर के मतदान हेतु तैयार होना है। उसके पश्चात दिनांक 15/04/2025 को मतगणना रायपुर में होगी। इस चुनाव हेतु नगर पेंशनर अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारी श्री अनिल शर्मा, श्री पतराम साव, श्री निसार अहमद जी, श्री सुधीर शेण्डे, श्री रमेश भोजवानी, श्री प्रेमलाल वर्मा, श्री एस.आर. केहरी, श्री राकेश श्रीवास्तव एवं मनहरण साहू एवं समस्त पेंशनर जुटे हुए है। शहर से यशवंत देवान जी को पूर्ण समर्थन प्राप्त हो रहा है। इस चुनाव कार्य में समस्त तहसील एवं जिले जैसे - राजनांदगांव, खैरागढ़, डोंगरगढ़, डोंगरगांव, छुरिया, मोहला-मानपुर, कवर्धा आदि पेंशनरो का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। संगठन ने निवेदन किया गया है कि सभी पेंशनर्स को प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर मतदान करना है एवं इसके लिए अपना आधार कार्ड अनिवार्य रूप से साथ में लेकर आना है। उपरोक्त जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति संगठन के प्रचार प्रसार प्रभारी श्री रमेश भोजवानी ने दी है।

## अमर शहीद आरक्षक जगत राम कंवर की मूर्ति अनावरण मे जनप्रतिनिधि शामिल हुए, भावपूर्ण दी श्रद्धांजलि

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** ग्राम आलीखुटा मे शाहिद आरक्षक जगत राम कंवर के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में राजनांदगांव



महापौर मधुसूदन यादव,जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव, पूर्व जनपद पंचायत सदस्य निर्मला सिन्हा, जितेंद्र सिन्हा उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा, धनेश्वरी साहू सरपंच ग्राम पंचायत तुमड़ीबोड सहित शाहिद परिवारजन एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में शहीद आरक्षक जगत राम कंवर की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

# रायपुर एवं भिलाई सेमीफाइनल में , दिग्विजय स्टेडियम में 7 अप्रैल से खेला जाएगा यह क्रिकेट मैच



**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा संचालित अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता सीनियर ग्रुप के लीग मैच यहां संपन्न हुए। लीग मैचों में प्रदर्शन अनुसार भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन एवं रायपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की टीमें चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है, इन दोनों ही टीमों के मध्य सेमीफाइनल मैच स्थानीय दिग्विजय स्टेडियम में 7 अप्रैल से चार दिवसीय खेला जाएगा।

वही दूसरा सेमीफाइनल मैच भिलाई के मैदान में रायपुर ब्लू एवं बिलासपुर क्रिकेट एसोसिएशन के मध्य खेला जाएगा। जिला क्रिकेट एसोसिएशन राजनांदगांव द्वारा आयोजित स्थानीय दिग्विजय स्टेडियम में ग्रुप ए के अंतिम लीग मैच में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन ने बिलासपुर ब्लू को पहली पारी में बढत के आधार पर हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बिलासपुर ब्लू की टीम भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के गेंदबाजों के सामने अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, उनकी पूरी टीम 157 रनों पर ही ऑल आउट हो गई। बिलासपुर की तरफ से सनी पांडे एवं रोहित नेतामी ने क्रमश: 37 एवं 48 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया।

भिलाई की तरफसे आनंद राव एवं शुभम सिंह ने तीन-तीन विकेट लिए वही चिन्मय विश्वकर्मा में भी दो विकेट झटके बल्लेबाजी करने उतरी भिलाई की टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया। बल्लेबाजी करने अब आसान हो चुके विकेट में भिलाई के तीन बल्लेबाजों ने शतक बनाकर अपनी टीम को जीत की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया। सलामी बल्लेबाज गर्व कुमार सिंह एवं साहिल रजत शरीफने क्रमश: 107 एवं 149 रन बनाएं वही उनके गेंदबाज ऑलराउंडर शुभम सिंह ने भी शतक जड़ते हुए नाबाद 100 रन बनाएं। संजीत देसाई ने नॉट आउट रहते हुए 61 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया। बिलासपुर के किसी भी गेंदबाज ने गेंदबाजी में अपनी छाप नहीं छोड़ी। दूसरी पारी में भारी रनों से पिछड़ने के दबाव में बल्लेबाजी करने उतरी बिलासपुर की टीम ने इस बार कुछ अच्छा किया, उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 318 रन बनाए। अंतिम दिन परिणाम नहीं निकलता देख दोनों ही टीमों एवं अंपायर ने मैच की समाप्ति की घोषणा कर दी। पहली पारी में मिली भारी भरकम बढ़त के कारण भिलाई की टीम को पूरे तीन अंक प्राप्त हुए वही बिलासपुर के खाते में मात्र एक अंक ही आ पाए। इस मैच में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ से नियुक्त किए गए ऑब्जर्वर अजय तिवारी( दुर्ग) एवं सीनियर चयनकर्ता साईकुमार ने




लगातार चारों दिन इस मैच का बारीकी से निरीक्षण किया। उक्त जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के प्रवक्ता लक्ष्मण लोहिया ने दी है। शानदार तरीके से इस मैच को आयोजित करने के लिए भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के कोच जीतू देसाई ने आयोजक जिला क्रिकेट एसोसिएशन विशेषकर मैदान के प्रभारी सुजीत द्विवेदी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

## पानी बचाने नगर निगम की कार्यवाही, गाडी सर्विसिंग के 12 सेन्टरो में दबिश देकर जल विभाग की टीम ने काटे नल कनेक्शन

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** ग्रीष्म ऋतु में निगम सीमाक्षेत्र के सभी वार्डो में पर्याप्त पेयजल सप्लाई के लिये नगर निगम के जल विभाग की टीम व्यर्थ बहने वाले नल बंद करने एवं पानी का दुरूपयोग करते पाये जाने पर नल काटने की कार्यवाही कर रही है। कार्यवाही की कडी में आज टीम ने निगम सीमाक्षेत्र में संचालित 12 गाडी सविसिंग सेन्टरो में दबिश देकर नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही किये।



उल्लेखनीय है कि ग्रीष्म ऋतु में मोहारा शिवनाथ नदी में जल स्तर कम होने के कारण पेयजल सप्लाई में कठिनाई होने पर महापौर श्री मधुसूदन यादव के निर्देश पर दो दिन में तीन बार पानी सप्लाई की जा रही है, ताकि गर्मी के सभी दिनों में नागरिकों को पर्याप्त पानी मिल सके। पानी के सुचारू सप्लाई के लिये महापौर यादव मोहारा नदी, जल सयंत्रगृह के अलावा वार्डो में भी जाकर पानी का हाल जान रहे है। वही निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा भी वार्ड तथा प्लांट का अवलोकन कर सुचारू पेयजल सप्लाई के लिये हर संभव प्रयास करने अधिकारियों को निर्देशित कर रहे है तथा शहर में अनावश्यक बहते पानी व पानी का दुरूपयोग पर कार्यवाही करने कहा गया है। इसी कडी में आज जल विभाग की टीम ने गाडी सविसिंग सेन्टरो का नल काटे। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने बताया कि पानी की किल्लत को ध्यान मे रखकर शहर में निरीक्षण कर अनावश्यक बहते नल बंद करने तथा पानी का दुरूपयोग रोकने गाडी सविसिंग सेन्टरों को नल के पानी का उपयोग पीने के लिये करने तथा सविसिंग के लिए हैण्ड पंप या कुँआ का उपयोग करने समझाईस दी गयी है। समझाईस उपरांत भी नही मानने पर आज जल विभाग की टीम ने शहर के वाहन सविसिंग सेन्टर एवं आटो पार्टस में लगे नल की जॉच कर नल के पानी से गाडी सविसिंग करते पाये जाने पर 12 सेन्टरों का नल काटने की कार्यवाही किये। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने व्यवसायियो एवं नागरिको से अपील की है कि ग्रीष्म ऋतु में जल स्तर कम होने को ध्यान में रखकर पानी का अपव्यय न करे, अनावश्यक बहते पानी को रोके, नलो में टोटी लगावे ताकि सभी को पर्याप्त पानी मिल सकें। सबके सहयोग से ही जल संकट से आसानी से निपटा जा सकता है।

## गांवों में पीएचई विभाग के मैदानी अमला करें नियमित निरीक्षण : कलेक्टर

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले के सभी ग्रामों में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जल स्तर नीचे चले जाने के कारण जिले के कुछ ग्रामों में हैण्डपंप बंद हुए है, ऐसे गांवों का चिन्हांकन कर वहां पेयजल की व्यवस्था करने के लिए कहा। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सभी मैदानी अमले को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। सभी मैदानी अमला गांवों का नियमित निरीक्षण करें और शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित निराकरण करें। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी को जल जीवन मिशन के अंतर्गत कैसे उपयोग करना है इस पर विचार करना चाहिए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी रिचार्जिंग में भी ध्यान देना चाहिए। भूमिगत जल का उपयोग जितना करते हैं उससे ज्यादा पानी रिचार्ज करना होगा और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना होगा। जिससे भूमिगत जल स्तर बना रहेगा।

उन्होंने कहा कि सभी मैदानी अधिकारी-कर्मचारियों को पानी की समस्या को कैसे दूर करें इसकी पूरी जानकारी होनी चाहिए, जिससे वे जनसामान्य को इसके संबंध में जागरूक कर सके। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, कार्यपालन अभियंता एवं सदस्य सचिव श्री समीर शर्मा, सांसद प्रतिनिधि श्री बिसेसर दास साहू सहित संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

## कैमरा के पीछे खड़े रहने वाले के जीवन का संघर्ष

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** जब हम टीवी या फिल्म देखते हैं, तो हम अक्सर अभिनेताओं और सुपर स्टार्स पर ध्यान देते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि उनके पीछे कौन खड़ा होता है? वह है कैमरा मैन, जिसका जीवन कई संघर्ष से होता है



**कैमरा मैन का जीवन**

कैमरा मैन का जीवन बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है। उन्हें हर दृश्य को सही तरीके से कैप्चर करना होता है, जिसमें लाइटिंग, साउंड, और कैमरा एंगल शामिल हैं। उन्हें अक्सर लंबे समय तक काम करना पड़ता है, और उन्हें अपने काम को समय पर पूरा करना होता है कैमरा मैन के जीवन में कई संघर्ष होते हैं। उन्हें अक्सर अपने काम के लिए कम पैसे मिलते हैं, और उन्हें अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। उन्हें अक्सर अपने काम के लिए यात्रा करनी पड़ती है, जिससे उन्हें अपने परिवार से दूर रहना पड़ता है।

**कैमरा मैन की कहानी**

एक कैमरा मैन ने बताया कि उन्हें अपने काम के लिए हर दिन 12 घंटे काम करना पड़ता है। उन्हें अक्सर अपने काम के लिए यात्रा करनी पड़ती है, जिससे उन्हें अपने परिवार से दूर रहना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने काम के लिए कम पैसे मिलते हैं, जिससे उन्हें अपने परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल होता है कैमरा मैन का जीवन बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है। उन्हें अक्सर अपने काम के लिए कम पैसे मिलते हैं, और उन्हें अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। हमें उनके काम की सराहना करनी चाहिए और उनके संघर्ष को समझना चाहिए।

## प्रतिबंधित प्लास्टिक के लिये निगम की टीम ने की कार्यवाही

**राजनांदगांव ( नांदगांव टाइम्स )।** सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने नगर निगम की टीम अभियान चलाकर प्रतिबंधित प्लास्टिक विक्रय एवं उपयोग करने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही कर रही है। इसी कडी में आज निगम का स्वास्थ्य अमला पुराना बस स्टैण्ड एवं कैलाश नगर क्षेत्र मे अभियान चलाकर 10 दुकानों व ठेला खोमचा पर कार्यवाही कर 10 पैकेट डिस्पोजल ग्लास एवं 1 किलो पालीथीन जप्ती कर 3 हजार रूपये जुर्माना वसूलें। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्रत्येक व्यक्ति व पशु-पक्षियों को प्लास्टिक के नुकसान से बचाने शासन द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध करने कडा रूख अपना रही है। शासन के मंशानुरूप नगर निगम भी अभियान चलाकर प्रतिबंधित प्लास्टिक विक्रय एवं उपयोग के विरूद्ध कार्यवाही कर रही है।

निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने कार्यवाही के संबंध में कहा कि पर्यावरण एवं मानव जीवन सहित पशु पक्षियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुये शासन निर्देश के अनुक्रम में निगम का स्वास्थ्य अमला शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एवं विक्रय नहीं करने समझाईस दे रहे है, समझाईस उपरांत विक्रय व उपयोग करते पाये जाने पर कार्यवाही कर रहे है। कार्यवाही की कडी में आज पुराना बस स्टैण्ड व कैलाश नगर के आर.के. मार्केटिंग के अलावा प्राविजन स्टोर्स तथा फल व पान ठेला एवं गन्ना रस ठेला में दबिश देकर 10 लोगो पर 3 हजार रूपये जुर्माना लगा 1 किलो पालिथीन तथा 16 पैकेट डिस्पोजल ग्लास जप्त किये। जप्ती की कडी में 15 रीम डिस्पोजल ग्लास, चम्मच तथा 4 बोरी पानी पाउच भी जप्त किया गया। उक्त अभियान प्रतिदिन जारी रहेगी। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने सभी व्यापारियों से अपील करते हुये कहा कि अपने प्रतिष्ठानों की नियमित साफ-सफाई रखे एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का विक्रय व उपयोग न करे, साथ ही उन्होंने नागरिकों से भी अपील करते हुये कहा है कि स्वच्छता अपनाये व प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करते हुये जब भी घर से निकले कपडे के थैला लेकर निकले तथा लोगो को भी इसके लिये प्रेरित करे।

## धर्म समाचार....

# मां दुर्गा की आठवीं शक्ति है महागौरी - कल्याणी शर्मा

**रायपुर ( नांदगांव टाइम्स ) ।**

या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरीरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम: ।।

माँ दुर्गा की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। नवरात्रि पावन पर्व की सबसे शक्तिशाली इस अष्टमी को महाष्टमी या दुर्गाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। इस अष्टमी तिथि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये विश्व के सबसे बड़े गो सेवार्थ संगठन कामधेनु सेना के छत्तीसगढ़ प्रदेश मीडिया प्रभारी कल्याणी शर्मा ने बताया कि नवरात्रि के आठवें दिन आज महागौरी की आराधना , उपासना का विधान है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी पाप विनष्ट हो जाते हैं और वह पवित्र एवं अक्षय पुण्य का अधिकारी हो जाता है। दुर्गाष्टमी देवी दुर्गा की उपासना करने के सर्वश्रेष्ठ दिनों में से एक माना जाता है। महागौरी की पूजा देवी के मूल भाव को दर्शाता है। मां के नौ रूप और दस महाविद्यायें सभी आदिशक्ति के अंश और स्वरूप हैं , लेकिन भगवान शिव के साथ उनकी अर्धांगिनी के रूप में महागौरी सदैव विराजमान रहती हैं। इनकी शक्ति अमोघ और सद्य: फलदायिनी है।इसलिये देवी दुर्गा के सभी भक्तों को इस दिन माँ दुर्गा की उपासना करनी चाहिये। इनकी शक्ति अमोघ और फलदायी है। ज्योतिष में इनका सम्बन्ध शुक्र नामक ग्रह से माना जाता है , विवाह सम्बन्धी तमाम बाधाओं के निवारण में इनकी पूजा अचूक होती है। कहा जाता है कि मां महागौरी माता की पूजा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मन में विचारों की शुद्धता आती है। मां महागौरी हर प्रकार की नकारात्मकता को दूर करती हैं। जो व्यक्ति किन्हीं कारणों से नौ दिन तक उपवास नहीं रख पाते हैं उनके लिये नवरात्र में प्रतिपदा और अष्टमी तिथि को व्रत रखने का विधान है। इससे नौ





दिन व्रत रखने के समान फल मिलता है। इनकी उपासना से भक्तों के सभी पाप विनष्ट हो जाते हैं और वह पवित्र एवं अक्षय पुण्य का अधिकारी हो जाता है। इनका ध्यान , पूजन , आराधना भक्तों के लिये सर्वविध कल्याणकारी है इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धि की प्राप्ति होती है। अष्ट वर्षा भवेत् गौरी अर्थात इनकी आयु हमेशा आठ वर्ष की ही मानी गई है। इनका वर्ण पूर्णत: गौर है इनके समस्त वस्त्र और आभूषण आदि भी श्वेत है। इनकी पूरी मुद्रा बहुत शांत है। इनकी अस्त्र त्रिशूल है। इनका वाहन वृषभ है इसलिये इन्हें वृषारूढ़ा और श्वेत वस्त्र धारण की हुई महागौरी को श्वेताम्बरा भी कहा जाता है। महाअष्टमी के दिन इन्हीं की पूजा का विधान है। माँ महागौरी की उपासना सफेद वस्त्र धारण कर करना चाहिये। माँ को सफेद फूल , सफेद मिठाई अर्पित करना चाहिये। करूणामयी , स्नेहमयी , शांत तथा मृदुल स्वभाव की मां महागौरी की चार भुजायें हैं। इनके ऊपर के दाहिने हाथ में अभय मुद्रा और नीचे वाले दाहिने हाथ में त्रिशूल है। ऊपरवाले बायें हाथ में शिव का प्रतीक डमरू है। डमरू धारण करने के कारण इन्हें शिवा भी कहा जाता है। मां के नीचे वाला बायां हाथ अपने भक्तों को अभय देता हुआ वर-मुद्रा में हैं। इनकी मुद्रा अत्यंत शांत है , इनकी आराधना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं , समस्त पापों का नाश होता है, सुख-सौभाग्य की प्राप?ति होती है और हर मनोकामना पूर्ण होती है। अष्टमी तिथि को मां को नारियल का भोग लगाने की पंरपरा है। कन्यायें माँ दुर्गा का साक्षात स्वरूप होती हैं , इसलिये आज अष्टमी के दिन आठ कुँवारी कन्याओं के पूजन , भोजन कराने का विशेष महत्व है लेकिन कहीं कहीं कुँवारी भोजन नवमी के दिन भी कराया जाता है। कन्याओं की पूजा करके काले चने , हलुआ और पुड़ी से भोग लगाया जाता है। इस दिन कई लोग नवरात्रि व्रत का समापन भी करते हैं। अष्टमी और नवमी पर कन्याओं को घर बुलाकर उन्हें भोजन कराया जाता है। कन्या पूजन के साथ ही ध्यान रखें कि कन्याओं को भोजन कराते समय उनके साथ एक बालक को जरूर बैठाकर भोजन करायें। बालक को बटुक भैरव का प्रतीक माना जाता है। देवी माँ के साथ भैरव की पूजा जाने की बेहद अहम मानी जाती है। कन्या की पूजा करने के बाद कुछ दक्षिणा भी दी जाती है। इस दिन महिलायें अपने सुहाग के लिये देवी माँ को चुनरी भेंटकर विधिपूर्वक पूजन करती है। माना जाता है कि माता सीता ने श्रीराम की प्राप्ति के लिये महागौरी की पूजा की थी। आज के दिन दुर्गा सप्तशती के मध्यम चरित्र का पाठ करना विशेष फलदाई होता है।

**महागौरी की कथा**

श्रुतिस्मृति कथा पुराणों के अनुसार मां महागौरी , देवी पार्वती का एक रूप है। देवी पार्वती का जन्म राजा हिमालय के घर हुआ था। इनको अपने पूर्वजन्म की घटनाओं का आभास हो गया था। तब मां ने पार्वती रूप में भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिये कठोर तपस्या की थी तथा शिव जी को पति स्वरूप प्राप्त किया था। अपनी तपस्या के दौरान माता केवल कंदमूल , फल और पत्तों का आहार लेती थीं। बाद में माता ने केवल वायु पीकर तप करना आरंभ कर दिया। शिवजी की प्राप्ति के लिये कठोर तपस्या करते हुये मां गौरी का शरीर धूल मिट्टी से ढंककर मलिन यानि काला हो गया था। जब शिवजी ने गंगाजल से इनके शरीर को धोया तब गौरीजी का शरीर गौर व दैदीप्यमान हो गया तभी से ये देवी महागौरी के नाम से विख्यात हुईं। आज के दिन दुर्गा सप्तशती के मध्यम चरित्र का पाठ करना विशेष फलदायी होता है।

nandgaon times April-05.qxd 4/5/2025 12:01 AM Page 4



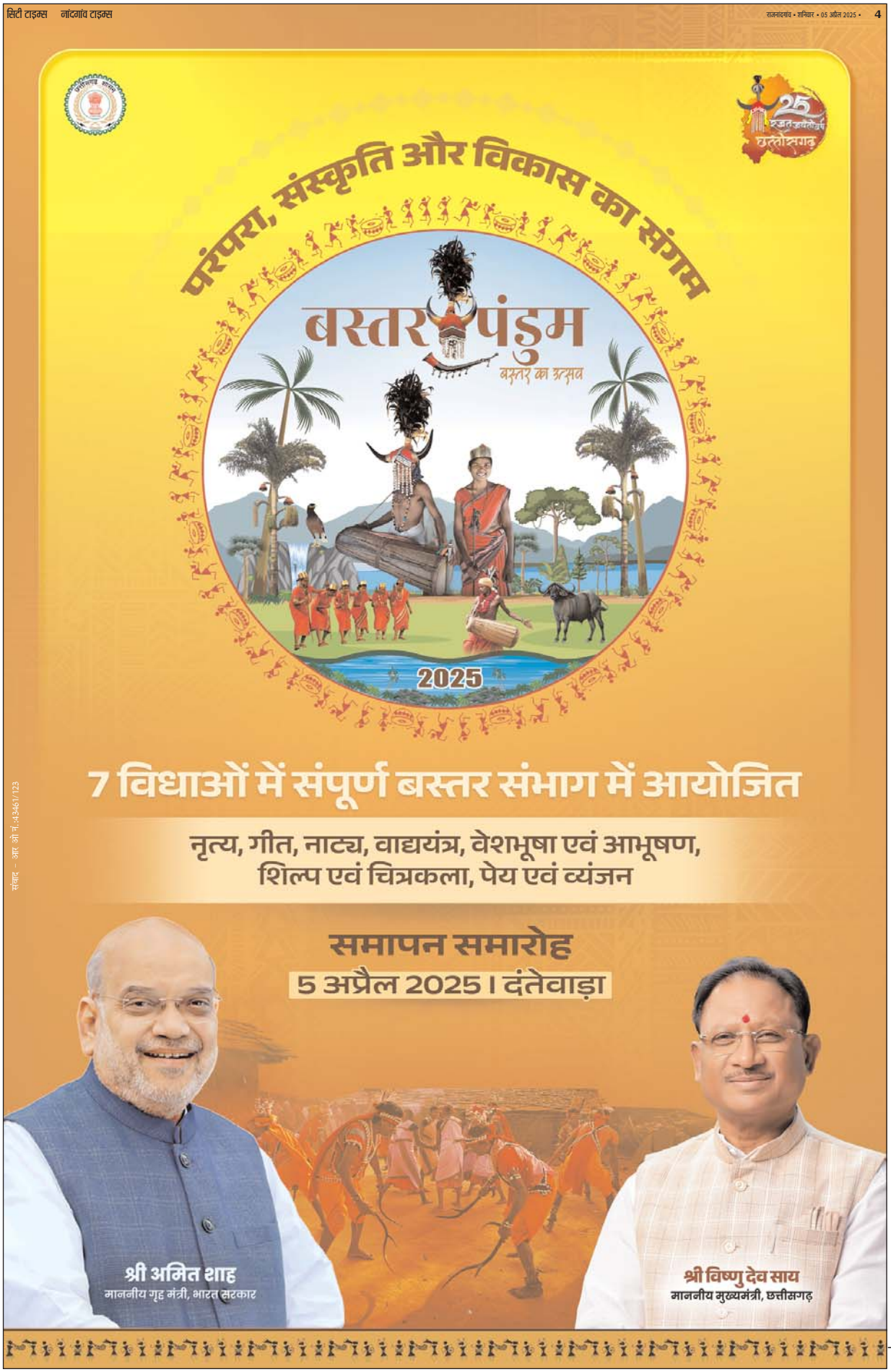


प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com